प्रेरित

- **पतरस** – वह शमौन के नाम से भी जाना जाता था। उसका नाम बदलकर कैफा अर्थात् "चट्टान" रखा गया था। उसने यहूदियों के मध्य सुसमाचार का प्रचार किया और 1 और 2 पतरस की पत्री लिखी। संभवत: उसने मरकुस का सुसमाचार का वृत्तांत लिखने में भी सहायता की।
- **अन्द्रियास** – वह पतरस का भाई था और उसने पतरस को यीशु से परिचित कराया था (यूहन्ना 1:40-42)। ये दोनों भाई बेतसैदा के रहने वाले मछुवे थे।
- **याकूब** – वह यूहन्ना का भाई था। वे दोनों जब्दी तथा सलोमी के पुत्र थे और अपने पिता के साथ बेतसैदा में कार्य करते थे। वह "बड़ा" भी कहलाता था। उसने यरूशलेम और यहूदिया में सुसमाचार प्रचार किया। हेरोदेस ने सन् 44 में उसका सर कलम कर दिया था और इस प्रकार वह प्रेरितों में प्रथम शहीद बना।
- **यूहन्ना** – वह याकूब का भाई था। वे अपने पिता के साथ मछली पकड़ते थे (मरकुस 1:19, 20)। यीशु ने इन दोनों भाइयों को "गर्जन के पुत्र" करके सम्बोधित किया था (मरकुस 3:17)। यूहन्ना ने आसिया की कलीसिया में इफिसुस को केन्द्र बनाकर कार्य किया। सन् 95 में उसको पतमुस टापू में काला पानी की सजा दी गई जहाँ उसने प्रकाशितवाक्य की पुस्तक लिखी। उसके लेखों में यूहन्ना रचित सुसमाचार तथा 1, 2 और 3 यूहन्ना की पत्रियाँ सम्मिलित हैं।
- **फिलिप्पुस** – वह बेतसैदा का रहने वाला था। उसने नतनिएल को यीशु के बारे में बताया (यूहन्ना 1:44-46)।
- **बरतुल्मै** –संभवत: वह यूहन्ना रचित सुसमाचार का नतनिएल था (यूहन्ना 1:44-46)। वह गलील के काना नगर का रहने वाला था।
- **थोमा** – वह दिदुमुस अर्थात "जुड़वा" भी कहलाता था (यूहन्ना 11:16; 20:24; 21:2)। गलील में उसका घर था। सीरिया के मसीहियों के अनुसार वह वहाँ की कलीसिया का संस्थापक था। संभवत: उसने फारस तथा भारत में कलीसियाओं की स्थापना की।
- **मत्ती** – वह अल्फियुस का पुत्र लेवी भी कहलाता था (मत्ती 9:9 मरकुस 2:14)। वह कफनहूम का रहने वाला था और रोमी शासकों के लिए चुंगी लेता था।
- **याकूब** – वह हल्फै तथा मरियम का पुत्र था वह "छोटा" भी कहलाता था (मत्ती 10:3; 27:56)। (क्या याकूब और मत्ती भाई थे? इसके बारे में निश्चित रूप से कुछ भी कहा नहीं जा सकता है)। वह गलील का रहने वाला था और उसने याकूब की पत्री लिखी।
- **तद्दै** – वह याकूब का पुत्र था। वह यहूदा भी कहलाता था (मत्ती 10:3; लूका 6:16)। वह एक गलीली था।
- **शमौन जेलोतेसी** – वह कनानी अर्थात "जेलोतेस" के लिए प्रयुक्त कनानी शब्द, जो अरामी बोली का शाब्दिक रूपांतरण है, के नाम से भी जाना जाता था। वह गलील का रहने वाला था।
- **यहूदा इस्करियोती** – "इस्करियोति" संभवत: यह दर्शाता है कि वह यहूदा के करियोत नगर का रहने वाला था। उसने यीशु को पकड़वाया था और उसके बाद उसने आत्महत्या की थी।
- **मत्तिय्याह** – यहूदा इस्करियोती के मृत्यु के बाद मत्तिय्याह को चिट्ठी डालकर उसके जगह चुन लिया गया था (प्रेरित 1:26)। प्रेरित 1:22 के अनुसार मत्तिय्याह "यूहन्ना के बपतिस्मा से लेकर उसके स्वर्ग उठा लिए जाने तक" यीशु और उसके शिष्यों के साथ था।
- **पौलुस** – शाऊल, जो बाद में पौलुस के नाम से जाना गया, कलीसिया का सताने वाला, अन्य जातियों का प्रेरित हुआ (रोमियों 11:13; 1 कुरिन्थियों 1:1; 9:1; 15:9; 2 कुरिन्थियों 12:12; गलातियों 1:1; 1 तिमुथियुस 2:7)। दमिश्क के मार्ग में यीशु उस पर प्रकट हुआ। उसने नए नियम की कई पत्रियों को लिखा।

प्रेरित, प्रभु के द्वारा नियुक्त किए गए विशेष दूत थे जो उसके जीवन तथा पुनरुत्थान के गवाह थे। यहूदा इस्करियोती के स्थान पर नए प्रेरित के रूप में किसी ऐसे व्यक्ति का चयन होना था जो यीशु की पूरी सेवकाई के दौरान उसके तथा उसके शिष्यों के संग रहा हो (प्रेरित 1:21)। बाद में यीशु पौलुस पर प्रकट हुआ जिससे वह इस योग्यता को प्राप्त करे और वह अन्य जातियों का प्रेरित बन सके (देखें 1 कुरिन्थियों 15:8)। यहाँ पर दी गई कुछ जानकारियाँ फ्रैंक एल. काक्स, "द ग्लोरियस कम्पनी आफ द अपोसल्स," द मिनिस्टर्स मंथली (फरवरी 1960): 254 से ली गई हैं।